स्वच्छ भारत
सम्पूर्ण स्वच्छता की ओर

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI
GOVERNMENT OF INDIA

Azadi Ka Amrit Mahotsav

G20 भारत 2023 INDIA

स्वच्छता समाचार

खंड 2 | अंक 9 | अप्रैल 2023

"हम ऐसे स्वयं सहायता समूहों और समुदाय-आधारित संगठनों में महिलाओं के प्रयासों की सराहना करते हैं जिन्होंने जल संरक्षण, जल प्रबंधन और स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूकता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प, स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन और जल शक्ति अभियान की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है"

श्रीमती द्रौपदी मुर्मू
भारत की राष्ट्रपति
स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान,
4 मार्च, 2023

स्वच्छ भारत मिशन - ग्रामीण समाचार पत्र

@swachhbharat @SBMGramin @SwachhBharatMissionGramin @swachh_bharat @swachhbharatgrameen

नए भारत के निर्माण में हमारी बहनों ने जो काम किया है, वह अमूल्य है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं ने जल और स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कीर्तिमान स्थापित किए हैं। यह हमारा दृढ़ विश्वास है कि महिलाओं के सशक्तिकरण से परिवार के परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होता है और इससे भी बड़ी बात यह है कि इससे संपूर्ण समाज और देश के सकारात्मक बदलाव का रास्ता भी निकलता है।

श्री गजेंद्र सिंह शेखावत
मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय

स्वच्छता समाचार

कार्यक्रम की मुख्य बातें

ODF Plus गांव:

अब तक भारत के **40%** से अधिक गांवों ने स्वयं को ओडीएफ प्लस (ODF Plus) घोषित किया है।

- **कुल ODF Plus गांव:** 2,38,973
- **उदीयमान श्रेणी में:** 1,60,709
- **उज्ज्वल श्रेणी में:** 27,409
- **उत्कृष्ट श्रेणी में:** 50,855

ठोस कचरा प्रबंधन

- 1,47,177 गांवों में ठोस कचरा प्रबंधन की व्यवस्था स्थापित हो चुकी है

तरल कचरा प्रबंधन

- 1,84,699 गांवों में तरल कचरा प्रबंधन की व्यवस्था स्थापित हो चुकी है

- 4,60,030 गांवों में बहुत कम मात्रा में कचरा है

- 4,49,033 गांवों में बहुत कम मात्रा में स्थिर पानी है

गोबरधन संयंत्र

- 594 देश भर में क्रियाशील गोबरधन संयंत्र

प्लास्टिक कचरा प्रबंधन

- 1 मार्च, 2023 से देश भर में प्लास्टिक कचरा प्रबंधन की 750 इकाइयां स्थापित की गई हैं

रेट्रोफिट टू ट्विन पिट अभियान

इस अभियान के तहत, DDWS के IMIS के अनुसार, 30 मार्च 2023 तक शौचालय रेट्रोफिटेड किए गए 3,76,731हैं, जिनमें से 2,24,484 एकल गड्ढे वाले शौचालयों को ट्विन पिट शौचालयों में बदल दिया गया है और 1,52,247 सेप्टिक टैंक शौचालयों को एयर वेंट और सोख्ता गड्ढों से जोड़ दिया गया है।

क्षमता निर्माण:

- SBMG चरण II में 6,959 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए
- ODF Plus के सभी आयामों में 4,00,481 व्यक्तिगत प्रशिक्षण कार्यक्रम

27 से 29 मार्च 2023 तक गांधीनगर, गुजरात में आयोजित पर्यावरण और जलवायु स्थिरता कार्य समूह की दूसरी बैठक में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण को प्रदर्शित किया गया था।

स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान 2023

नारी शक्ति नेतृत्व का सम्मान समारोह

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से पहले, भारत की राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने 4 मार्च 2023 को स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, जल जीवन मिशन और जल शक्ति अभियान: कैच द रेन में ग्रामीण जल और स्वच्छता क्षेत्र की महिला चैंपियनों के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें पुरस्कार प्रदान किए।

जल शक्ति मंत्रालय द्वारा आयोजित स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान का 4 मार्च को विज्ञान भवन में आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, संचार राज्य मंत्री श्री देवुसिंह जेसिंगभाई चौहान, जल शक्ति, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल, इस अवसर पर जल शक्ति, जनजातीय कार्य राज्य मंत्री श्री बिश्वेश्वर टुडू; पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की सचिव श्रीमती विनी महाजन और जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के सचिव श्री पंकज कुमार उपस्थित रहे।

इसमें विकास भागीदारों, जमीनी स्तर की WASH कार्यकर्ताओं, सिविल सोसायटी संगठनों और वॉश क्षेत्र की महिला प्रतिनिधियों के साथ-साथ पूरे भारत के सभी राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों से भी व्यापक भागीदारी रही।

भारत की राष्ट्रपति और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री द्वारा अग्रणी 36 महिला वॉश चैंपियनों को स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान 2023 से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में जल शक्ति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा जल शक्ति अभियान - कैच द रेन 2023 का शुभारंभ और स्रोत स्थिरता के संबंध में राष्ट्रीय जल मिशन (NWM) की मानक संचालन प्रक्रियाओं (SOP) का विमोचन किया गया।

और अधिक पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें अथवा यहां क्लिक करें

केंद्रीय मंत्री ने राष्ट्रपति को स्वच्छ सुजल शक्ति की अभिव्यक्ति की पहली प्रति भी भेंट की, यह SBMG, JJM और NWM की प्रेरणादायक कहानियों का एक संग्रह है। संचार राज्य मंत्री श्री देवुसिंह जेसिंगभाई चौहान ने NWM के लिए अनुकूलित माई स्टैम्प का शुभारंभ किया। उन्होंने राष्ट्रपति को इसकी पहली प्रति भी भेंट की।

स्वच्छता पखवाड़ा

मार्च में स्वच्छता पखवाड़ा मनाने वाले मंत्रालय/विभाग:

1-15 मार्च 2023: महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और वस्त्र मंत्रालय

16-31 मार्च 2023: इस्पात मंत्रालय और जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण

विभाग

कपड़ा मंत्रालय द्वारा किए गए कार्यों में सचिव द्वारा स्वच्छता के संबंध में सामूहिक शपथ दिलाना; शौचालयों सहित कार्यालय परिसरों में बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान और मंत्रालय के भीतर विभिन्न स्थानों पर और इसकी वेबसाइट पर बैनर के माध्यम से स्वच्छता संदेशों का प्रसार करना शामिल था।

स्वच्छता समाचार

बिहार में गंगा स्वच्छता रथ का आयोजन

वर्तमान में बिहार के 12 ऐसे जिलों में गंगा ग्राम अभियान चल रहा है जो या तो गंगा नदी के तट पर स्थित हैं या गंगा नदी के प्रवाह के आस-पास हैं। इस अभियान के तहत, जिलों को प्रत्यक्ष रूप से स्वच्छ बनाया जाएगा, ODF स्थिरता सुनिश्चित की जाएगी और ठोस तथा तरल कचरे का प्रभावी प्रबंधन किया जाएगा।

लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान (LSBA) और ITC इंडिया लिमिटेड द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित गंगा ग्राम अभियान बक्सर, भोजपुर, सारण, पटना, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, खगड़िया, लखीसराय, मुंगेर, भागलपुर और कटिहार जिलों में गंगा स्वच्छता रथ यात्रा की गई।

इसके अतिरिक्त, बिहार सरकार के ग्रामीण विकास विभाग के सचिव श्री बालामुरुगन डी और लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के मिशन निदेशक श्री राहुल कुमार ने 25 फरवरी 2023 को पटना से दो गंगा स्वच्छता रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सुरक्षित स्वच्छता और ठोस और तरल कचरा प्रबंधन के महत्व के बारे में IEC संदेश देने वाले इन वाहनों का उद्देश्य स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के चरण II के बारे में बड़े पैमाने पर जागरूकता लाना था।

और अधिक पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें अथवा यहां क्लिक करें

दो गंगा स्वच्छता रथ 25 फरवरी से 23 मार्च 2023 तक 12 जिलों की प्रत्येक ग्राम पंचायत में जन जागरूकता अभियान चलाया गया।

बुलंदशहर में SLWM प्रशिक्षण केंद्र का संचालन शुरू

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिला प्रशासन ने खुर्जा ब्लॉक के आजमाबाद गांव में एक ठोस और तरल कचरा प्रबंधन (SLWM) प्रशिक्षण और प्रदर्शन केंद्र स्थापित किया है। जिले में अपनी तरह की पहली सुविधा, ODF Plus के सभी पहलुओं के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान करती है, जिसमें बायोडिग्रेडेबल, प्लास्टिक, गंदला जल और मलीय कचरा प्रबंधन शामिल हैं, ताकि अधिकारी गांवों में उन कार्रवाइयों को लागू कर सकें।

जिला मजिस्ट्रेट श्री चंद्र प्रकाश सिंह के अनुसार, यह केंद्र उत्तर प्रदेश में स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण चरण II के कार्यान्वयन की गति में तेजी लाने में अत्यधिक उपयोगी सिद्ध होगा।

ODF की स्थिति पहले ही हासिल करने के बाद, उत्तर प्रदेश में ग्राम पंचायतें ODF Plus की ओर अग्रसर हैं। SLWM, कार्यान्वयन से संबंधित हितधारकों के लिए अपेक्षाकृत एक नया विषय है क्योंकि अब तक SBMG चरण I के तहत, गतिविधियां शौचालयों (पारिवारिक और सामुदायिक स्वच्छता परिसरों) के निर्माण तक ही सीमित थीं। कार्यान्वयनकर्ताओं को SLWM के लिए तकनीकी विकल्पों के संबंध में स्पष्टता की आवश्यकता है।

और अधिक पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें अथवा यहां क्लिक करें

Contact: dmbul@nic.in

पश्चिम बंगाल में SBM-G के तहत कॉर्पोरेट्स, CSO और अन्य विकास भागीदार भी शामिल हुए

6 फरवरी, 2023 को पश्चिम बंगाल में राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ कॉर्पोरेट्स, सिविल सोसायटी संगठनों और विकास भागीदारों के लिए स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (SBM-G) से संबंधित एक परामर्शदात्री कार्यशाला आयोजित की गई थी। यूनिसेफ द्वारा पश्चिम बंगाल सरकार के मिशन निदेशक, SBM-G की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम ने SBM-G Phase-II से संबंधित पहलों की संयुक्त आयोजना, समन्वय और रोल आउट की संभावनाओं पर मंथन करने का अवसर प्रदान किया।

इस अवसर पर यूनिसेफ, ICO के वरिष्ठ वॉश विशेषज्ञ श्री सुजॉय मजुमदार ने बताया कि वे निजी क्षेत्र के लिए SBM-G के कार्यान्वयन में शामिल होने और ODF Plus गांव बनाने के अवसर पैदा करना चाहते हैं। यह विचार कॉर्पोरेट्स की तकनीकी और प्रबंधकीय क्षमताओं का भरपूर उपयोग करने के साथ-साथ टिकाऊ भविष्य के मॉडल विकसित करने के लिए मजबूत सार्वजनिक-निजी भागीदारी बनाने की दृष्टि से कॉर्पोरेट्स से अभिनव, विकेन्द्रीकृत और उत्तरदायी प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाना था।

उन्होंने ODF Plus की अवधारणा, DDWS और भारत सरकार के लाइट हाउस इनिशिएटिव (LHI) द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की एक संक्षिप्त रूपरेखा भी प्रस्तुत की।

और अधिक पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें अथवा यहां क्लिक करें

Contact: drdladakh@gmail.com

एरेका प्लेटें - प्लास्टिक प्लेटों का विकल्प

सुपारी के पेड़ों के पत्तों से बनी प्लेटें प्लास्टिक से बनी प्लेटों का एक उत्कृष्ट विकल्प हैं। यह देखते हुए कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह देश में इस वाणिज्यिक फसल का 9 वां सबसे बड़ा उत्पादक है, जो एक वर्ष में लगभग 5.88 टन सुपारी का उत्पादन करता है, द्वीपों में उपयोग करने योग्य वस्तुओं को बनाने के लिए पत्तियों की पर्याप्त आपूर्ति है।

तकनीकी नवाचारों ने प्रदर्शित किया है कि एरेका पत्तों के खोल को बर्बाद करने के बजाय, उन्हें पत्तों की प्लेटों और विभिन्न प्रकार के कटोरों के निर्माण में बेहतर उपयोग के लिए रखा जा सकता है। वे बायोडिग्रेडेबल होने के साथ-साथ पर्यावरण के अनुकूल भी हैं। सरकार द्वारा एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर लगाए गए प्रतिबंध के मद्देनजर, ऐसे उत्पादों को महत्व दिया जा रहा है और वे उपभोक्ता बाजार में पहुंच रहे हैं। उद्यमी, रोजगार का सृजन करने वाली श्रमोन्मुख प्रक्रिया के माध्यम से उनका उत्पादन करते हैं।

और अधिक पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें अथवा यहां क्लिक करें

Contact: jijisn8@gmail.com

जम्मू एवं कश्मीर ने अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास रहने वाले निवासियों के लिए गोबरधन परियोजनाएं स्थापित कीं

जम्मू एवं कश्मीर (J&K) संघ राज्य क्षेत्र (UT) का ग्रामीण स्वच्छता निदेशालय सुचेतगढ़ ब्लॉक के जियोरा गांव में दो गोबरधन संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया में है, जो ग्रामीण समुदायों को सुविधा प्रदान करेंगे। इससे उन्हें लकड़ी को जलाने पर रोक लगाने और वायु प्रदूषण को रोकने में मदद मिलेगी। इस पहल से उनकी खेती में उपयोग के लिए अच्छे स्तर की जैविक खाद बनाने में भी मदद मिलेगी। गोबरधन (गैल्वनाइजिंग ऑर्गेनिक बायो एग्रो रिसोर्सेज - धन) स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत कार्यान्वित किया जा रहा एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य आय पैदा करने और गांव की स्वच्छता को सकारात्मक रूप से प्रभावित करने के उद्देश्य से मवेशियों और जैविक कचरे से जैव-ऊर्जा का दोहन करना है। गोबरधन का मुख्य फोकस गांवों को साफ रखने, ग्रामीण घरों की आय में वृद्धि करने और मवेशियों के कचरे से ऊर्जा और जैविक खाद उत्पन्न करने पर है।

ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग, जम्मू एवं कश्मीर (J&K) के तहत ग्रामीण स्वच्छता निदेशालय ने जम्मू और कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र में गोबरधन परियोजना का कार्यान्वयन शुरू किया है। इस कार्रवाई से ग्रामीण समुदाय पर एक महत्वपूर्ण सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभाव पड़ने की संभावना है।

और अधिक पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें अथवा यहां क्लिक करें

Contact: drsjk47@gmail.com

राज्यों की बात

पी. अमुधा
IAS
प्रमुख सचिव, तमिलनाडु

तमिलनाडु ने परिवारों और संस्थाओं में बेहतर स्वच्छता सुविधाओं तक पहुंच और उपयोग के मामले में ग्रामीण स्वच्छता में काफी प्रगति की है। इन लाभों को समेकित करते हुए, तमिलनाडु का उद्देश्य खामियों का आकलन करना और उनका निराकरण करना और पंचायतों की स्थिति को ODF Plus उदीयमान श्रेणी से सुधार कर उत्कृष्ट श्रेणी में लाना है। मौजूदा स्वच्छता सुविधाओं और प्रत्येक ग्राम पंचायत के पारिवारिक और सामुदायिक स्तर पर आवश्यकताओं का व्यापक और समग्र आकलन, राज्य द्वारा अधिदेशित एक साधन, ग्राम स्वच्छता परिपूर्णता योजना (VSSP) के माध्यम से किया जाता है।

VSSP का एक महत्वपूर्ण घटक, स्थानीय निकाय के ऐसे प्रतिनिधियों और लोगों की भागीदारी है, जो ठोस और ग्रेवाटर प्रबंधन पर अधिक ध्यान देने के साथ मौजूदा बुनियादी ढांचे को समझने और आगे की किसी भी आवश्यकता का आकलन करने के लिए सड़क-वार ट्रांजेक्ट वॉक करते हैं। VSSP को अंतिम रूप दिए जाने पर, SBMG और मनरेगा तथा 15वें वित्त आयोग जैसी अन्य योजनाओं से निधियां आबंटित की जाती हैं। हमारा लक्ष्य स्वच्छ और हरित तमिलनाडु बनाने के लिए स्वच्छता, ठोस और ग्रेवाटर प्रबंधन तक पहुंचकी प्रभावी और टिकाऊ उपलब्धि में समर्थ बनाने के लिए एक बॉटम-अप दृष्टिकोण, आवश्यकता-आधारित योजना को सुदृढ़ करना है।

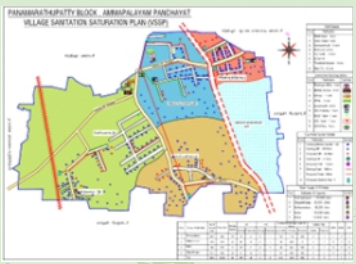

नायरा एनर्जी गुजरात के मिठोई गांव में एक अपशिष्ट मूल्य श्रृंखला बनाएगी

नायरा एनर्जी लिमिटेड, भारत में SDG के लिए CSR ट्रस्ट के साथ भागीदारी में गुजरात में जामनगर जिले के मिठोई गांव में एक प्लास्टिक कचरा प्रबंधन परियोजना लागू कर रहा है। इस पहल का उद्देश्य कचरा प्रबंधन प्रथाओं को मजबूत करना और प्रक्रियाओं तथा व्यवहार परिवर्तन संबंधी गतिविधियों में निवेश के माध्यम से गांव के समग्र स्वास्थ्य और स्वच्छता में सुधार करना है।

ये कार्रवाईयां पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (DDWS), जल शक्ति मंत्रालय और फिक्की में भारत स्वच्छता गठबंधन के सहयोग से शुरू की गई एक अग्रगामी लाइटहाउस पहल का हिस्सा है।

एक साल पहले, गांव में कचरा प्रबंधन की हालत खस्ताहाल थी क्योंकि समुदाय अपना 70 प्रतिशत कचरा खुले में फेंकने का आदी था, जबकि बाकी का उपयोग खाना पकाने में किया जाता था। यह कहने की जरूरत नहीं है, कि खुले में कचरा फैंकने से वातावरण अशुद्ध औरअस्वास्थ्यकर होता था साथ ही प्लास्टिक के कचरे को जलाया जाता था जिससे हानिकारक जहरीली गैसें निकलती थीं।

इसका निराकरण करने के लिए उत्सुक, नायरा एनर्जी लिमिटेड ने इस सामाजिक-तकनीकी परियोजना की शुरूआत की, जिसका उद्देश्य न केवल कचरा प्रबंधन परिदृश्य में सुधार करना है, वरन् स्वच्छता कर्मचारियों को अपशिष्ट मूल्य श्रृंखला की मुख्यधारा में लाने में भी मदद करना है। इस परियोजना का दृष्टिकोण उक्त प्रक्रिया को शुरू करना है, साथ ही मोहल्ला बैठकों, प्रेरक समिति की बैठकों और ऐसे कई अन्य जागरूकता सत्रों के माध्यम से नागरिकों को संवेदनशील बनाकर जागरूक बनाना है, जो सभी आयु समूहों में ग्राम समुदायों के बीच व्यवहार परिवर्तन शुरू करने का भी प्रयास करते हैं।

और अधिक पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें अथवा यहां क्लिक करें

Contact: mitali.agarwal@isc.ficci.com

एक SWPC ने आंध्र प्रदेश की नरसिंगपाडु ग्राम पंचायत का कायाकल्प कैसे किया

जब वर्ष 2019 में आंध्र प्रदेश के पलनाडु जिले की नरसिंगपाडु ग्राम पंचायत (GP) में एक ठोस धन प्रसंस्करण केंद्र (SWPC) का निर्माण करके उसे कार्यात्मक बनाया गया तो स्वच्छता में सुधार और प्रत्यक्ष स्वच्छता लाने के लिए विभिन्न प्रणालियां स्थापित की गईं। इन गतिविधियों से ग्राम पंचायत का कायाकल्प हो गया और यह कुछ-कुछ ऐसा था जिस पर ग्राम समुदाय को गर्व था।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (SBMG) के चरण II के तहत की गई पहल में अन्य प्रणालियों को शामिल किया गया जब जून 2020 में राज्य द्वारा संचालित मनम मन परिसुब्रत अभियान के तहत गांव को एक प्रायोगिक गांव के रूप में चुना गया।

इससे पहले, उदगम स्थल पर कचरे को अलग-अलग करने के बारे में समुदाय के बीच जागरूकता लाने के लिए विभिन्न IEC गतिविधियों का संचालन करने के बाद, परिवारों को पहले स्तर पर ही कचरे को अलग करने की आवश्यकता के बारे में पता था। उदगम स्थल पर ही कचरे को अलग करने को बढ़ावा देने के लिए परिवारों, दुकानदारों और प्रतिष्ठानों को कचरे के डिब्बे वितरित किए गए थे। इसलिए, जब घर-घर कचरा इकट्ठा किया जाता था, तो परिवार गीला और सूखा कचरा अलग-अलग प्रदान करते थे। सेवा के लिए, परिवारों से प्रतिदिन 2 रुपये का शुल्क लिया जाता था।

और अधिक पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें अथवा यहां क्लिक करें

Contact: mmpsgraminap@gmail.com

स्वच्छता समाचार

सचिव की कलम से

स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान, महिलाओं और ग्रामीण जल और स्वच्छता के क्षेत्र में उनके द्वारा निभाई जाने वाली विविध भूमिकाओं का उत्सव था। और यह बहुत शानदार उत्सव था। मुझे यकीन है कि देश में अनगिनत अन्य ऐसी महिलाएं - गुमनाम नायक हैं जो कड़ी मेहनत कर रही हैं और अपने समुदायों में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। वे सब भी मेरी सराहना की पात्र हैं। उनसे प्रेरित होकर, हम वितरण संबंधी कार्यों को प्राप्त करने और अंतिम छोर के निवासियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए कार्रवाई कर रहे हैं ताकि हम ठोस और तरल कचरे के सुरक्षित प्रबंधन के साथ एक प्रत्यक्ष स्वच्छ भारत के अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकें।

श्रीमती विनी महाजन
सचिव,
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (DDWS)
जल शक्ति मंत्रालय

मिशन निदेशक की कलम से

पिछले महीने राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ आयोजित वार्षिक कार्यान्वयन योजना संबंधी बैठकों में गांवों को लक्षित तिथि के भीतर खुले में शौच मुक्त बनाने के लिए उनके द्वारा की गई कार्रवाईयों के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। इस अभियान की गति को तेज करने के लिए गोबरधन और पुनर्चक्रण न किए जाने योग्य प्लास्टिक के सड़क निर्माण में उपयोग के साथ-साथ अभिनव गतिविधियों पर ध्यान दिया जा रहा है। रेट्रोफिट टू ट्विन पिट अभियान, जिसका उद्देश्य मलीय कचरे का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करने के साथ-साथ पर्यावरण की रक्षा करना भी है, में भी उल्लेखनीय प्रगति दिखाई दी है। यह खुशी की बात है कि 30 मार्च, 2023 तक 2,32,368 से अधिक गांवों ने ODF Plus की स्थिति प्राप्त कर ली है।

पशुजनित अपशिष्ट के प्रबंधन पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। साथ ही राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को इसके लिए वर्मीकम्पोस्टिंग की भूमिका की संभावना का भी पता लगाना चाहिए।

श्री जितेंद्र श्रीवास्तव
संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक (SBM-G)
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय

यदि आप **स्वच्छता समाचार** के आगामी अंक में योगदान देना चाहते हैं, तो कृपया **swachhbharat@gov.in** पर हर महीने की 15 तारीख से पहले अपनी प्रस्तुति (लगभग 700 शब्द + 2 उच्च रिज़ॉल्यूशन चित्र) साझा करें।

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI
GOVERNMENT OF INDIA
सत्यमेव जयते

Office of the Joint Secretary & Mission Director, SBM-G
Department of Drinking Water and Sanitation, Ministry of Jal Shakti
Government of India.
4th Floor, Pandit Deendayal Antyodaya Bhawan, CGO Complex,
Lodhi Road, New Delhi-110003
Phone: 011-24362192 | Email: js-sbm@gov.in